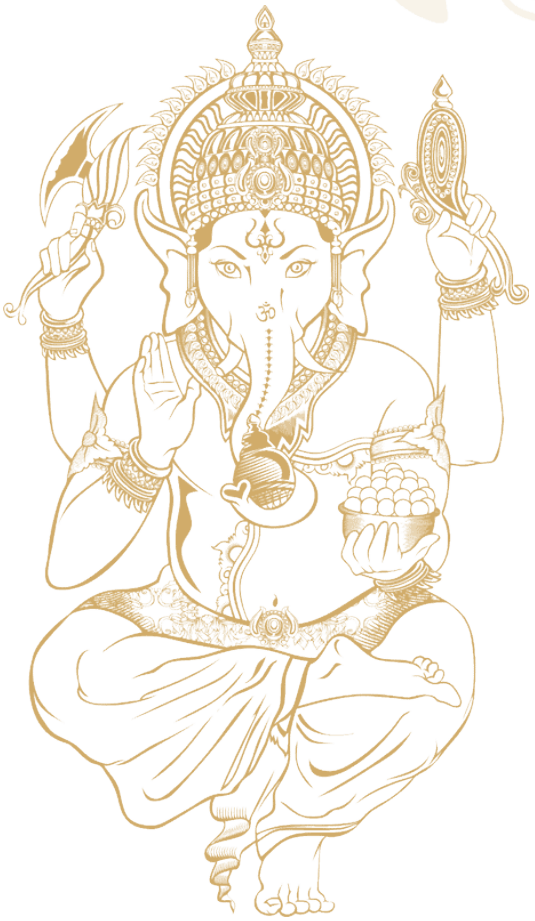

Subham

29 Sep 1998

02:08 AM

Nawada

Model: web-freekundliweb

Order No: 121449710

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/09/1998**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:08:00 घंटे**
इष्ट	51:13:28 घटी
स्थान	**Nawada**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:54:00 उत्तर
रेखांश	85:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:20:12 घंटे
वेलान्तर	00:09:12 घंटे
साम्पातिक काल	02:49:52 घंटे
सूर्योदय	05:38:36 घंटे
सूर्यास्त	17:38:10 घंटे
दिनमान	11:59:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:40:42 कन्या
लग्न के अंश	23:37:42 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	23:37:42	315:59:57	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	---
सूर्य			कन्या	11:40:42	00:58:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	सम राशि
चंद्र			धनु	11:24:56	12:30:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	00:50:10	00:37:06	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	14:06:13	01:45:29	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		कुंभ	27:33:22	00:07:30	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			कन्या	03:32:09	01:14:46	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	नीच राशि
शनि	व		मेष	08:12:11	00:04:00	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:02:45	00:00:11	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:02:45	00:00:11	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:08:15	00:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:35:31	00:00:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:58:44	00:01:24	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	21:05:32	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:13

लग्न-चलित

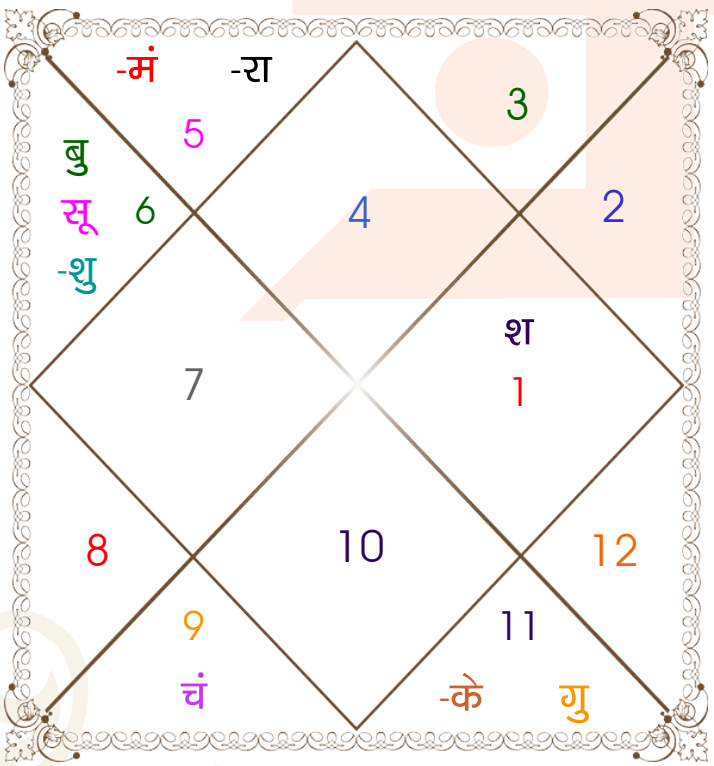

चन्द्र कुंडली

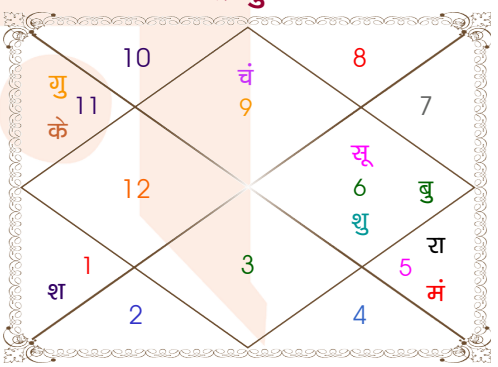

नवमांश कुंडली

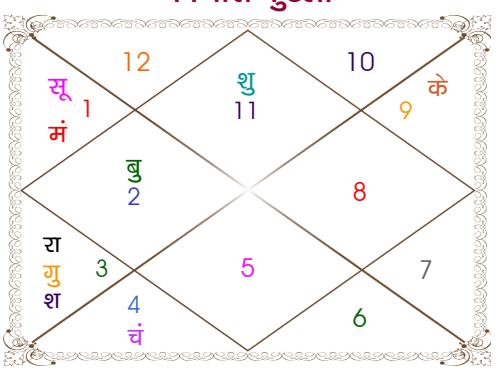

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 0 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
29/09/1998		01/10/1999		01/10/2019		01/10/2025		01/10/2035	
01/10/1999		01/10/2019		01/10/2025		01/10/2035		01/10/2042	
	00/00/0000	शुक्र	31/01/2003	सूर्य	19/01/2020	चंद्र	01/08/2026	मंगल	27/02/2036
	00/00/0000	सूर्य	31/01/2004	चंद्र	20/07/2020	मंगल	02/03/2027	राहु	17/03/2037
	00/00/0000	चंद्र	01/10/2005	मंगल	24/11/2020	राहु	31/08/2028	गुरु	21/02/2038
	00/00/0000	मंगल	01/12/2006	राहु	19/10/2021	गुरु	31/12/2029	शनि	02/04/2039
	00/00/0000	राहु	01/12/2009	गुरु	07/08/2022	शनि	01/08/2031	बुध	29/03/2040
	00/00/0000	गुरु	01/08/2012	शनि	20/07/2023	बुध	31/12/2032	केतु	25/08/2040
	29/09/1998	शनि	01/10/2015	बुध	26/05/2024	केतु	01/08/2033	शुक्र	25/10/2041
शनि	04/10/1998	बुध	01/08/2018	केतु	01/10/2024	शुक्र	02/04/2035	सूर्य	02/03/2042
बुध	01/10/1999	केतु	01/10/2019	शुक्र	01/10/2025	सूर्य	01/10/2035	चंद्र	01/10/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/10/2042		01/10/2060		01/10/2076		01/10/2095		02/10/2112	
01/10/2060		01/10/2076		01/10/2095		02/10/2112		00/00/0000	
राहु	13/06/2045	गुरु	19/11/2062	शनि	04/10/2079	बुध	27/02/2098	केतु	28/02/2113
गुरु	07/11/2047	शनि	01/06/2065	बुध	13/06/2082	केतु	24/02/2099	शुक्र	30/04/2114
शनि	13/09/2050	बुध	07/09/2067	केतु	23/07/2083	शुक्र	26/12/2101	सूर्य	05/09/2114
बुध	01/04/2053	केतु	13/08/2068	शुक्र	22/09/2086	सूर्य	02/11/2102	चंद्र	06/04/2115
केतु	20/04/2054	शुक्र	14/04/2071	सूर्य	04/09/2087	चंद्र	02/04/2104	मंगल	02/09/2115
शुक्र	19/04/2057	सूर्य	31/01/2072	चंद्र	04/04/2089	मंगल	30/03/2105	राहु	19/09/2116
सूर्य	14/03/2058	चंद्र	01/06/2073	मंगल	14/05/2090	राहु	18/10/2107	गुरु	26/08/2117
चंद्र	13/09/2059	मंगल	08/05/2074	राहु	20/03/2093	गुरु	22/01/2110	शनि	30/09/2118
मंगल	01/10/2060	राहु	01/10/2076	गुरु	01/10/2095	शनि	02/10/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकते हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते है कि आप मध्यपान एवं आनन्द प्राप्त करते हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगे। सम्प्रति आपकी मनोवृति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकते हैं। इस दशा में आपकें बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वभाविक है कि आपकी पत्नी के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रूचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करते हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करते हैं। यदि एक वार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगे।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृति अच्छे कार्यो के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरूप सुखद जीवन बिता सकते हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ट्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गाईड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित व्यक्ति हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरूचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभांश प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग,

जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराते रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रफ्फुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।